

**A FIELD STUDY
ON ENVIRONMENTAL AWARENESS IN
PACHIMBASTI GAROGAON OF SIVASAGAR DISTRICT**



A FIELD STUDY REPORT SUBMITTED TO THE DEPARTMENT OF EDUCATION, H.C.D.G. COLLEGE, NITAIPUKHURI, SIVASAGAR FOR THE PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENT OF B.A 6TH SEMESTER (COURSE-602) EXAMINATION, 2018 UNDER DIBRUGARH UNIVERSITY.

Submitted by

Sri Sidhartha Dekaboruah

*Bai
20/11/18*

**ডিঙ্গড় বিশ্ববিদ্যালয়ৰ স্নাতক মহলাৰ
ষষ্ঠ ষান্মাধিকৰণ সন্মান বিষয়ৰ দ্বাদশ কাকতৰ (৬০২)
অন্তর্ভুক্ত ক্ষেত্ৰ ভিত্তিৰ প্রতিবেদন।**

বিষয় : শিবসাগৰ জিলাৰ পশ্চিমবঙ্গ গাবোগাঁৰৰ পৰিৱেশ সচেতনতা
সম্পর্কে এক ক্ষেত্ৰভিত্তি অধ্যয়ন ২০১৮-১৯ বৰ্ষ।



প্রস্তুতকৰ্তা	:
নাম	: শ্রী পিতৃবাম' তেকনবৰ্তনা
শ্রেণী	: আওক' ষষ্ঠ স্নাতকী
ৰোল নং	: ২০১১ ০০২৭
ৰেজিস্টাৰ নং	: ৫১৫১৪৩ ৫৫৫৯

তত্ত্বাবধায়ক
ড° লীনা দত্ত
শিক্ষা বিভাগ
হেমচন্দ্ৰ দেৱ গোস্বামী মহাবিদ্যালয়
নিতাইপুৰুৰী, শিবসাগৰ

Mrs H.D.

প্রমাণ পত্র

“শিরসাগর জিলাৰ পশ্চিমবঙ্গি গাবোগাঁওৰ পৰিৱেশ সচেতনতা সম্পর্কে” ক্ষেত্ৰভিত্তিক অধ্যয়ন
মোৰ তত্ত্বাবধানত শিক্ষা বিভাগৰ ষষ্ঠ মান্দ্বাধিকৰণ ছাত্ৰ-ছাত্ৰী মিল্যাৰ্থ চৰকাৰৰ ব্রায়ে সম্পন্ন কৰে আৰু
দাদশ কাকতৰ উপযোগীকৈ প্ৰস্তুত কৰি শিক্ষা বিভাগত স্নাতক উপাধিৰ বাবে দাখিল কৰে।

এই প্ৰতিবেদন বিশেষজ্ঞ পৰীক্ষকলৈ মূল্যায়ণৰ বাবে আগবঢ়োৱা হ'ল।

Sur-
(*Repoli Soni*)
বিভাগীয় মুৰৰী

শিক্ষা বিভাগ Head
Dept. of Education
H.C.D.G. College, Nitaipukhuri

প্রমাণ পত্র

“শিরসাগৰ জিলাৰ পশ্চিমবঙ্গ গাবোগাঁওৰ পৰিৱেশ সচেতনতা সম্পর্কে” ক্ষেত্ৰভিত্তিক অধ্যয়ন
মোৰ তত্ত্বাবধানত শিক্ষা বিভাগৰ ষষ্ঠ মান্দ্বাধিকৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰী সিদ্ধূন্ধ চৌধুৰীয়ে সম্পন্ন কৰে আৰু
দ্বাদশ কাকতৰ (৬০২) উপযোগীকৈ প্ৰস্তুত কৰি শিক্ষা বিভাগত স্নাতক উপাধিৰ বাবে দাখিল কৰে।

এই প্ৰতিবেদন বিশেষজ্ঞ পৰীক্ষকলৈ মূল্যাযণৰ বাবে আগবঢ়োৱা হ'ল।

ৰঞ্জন
(Ranjan Datta)

তত্ত্বাবধায়ক

শিক্ষা বিভাগ



ঘোষণা পত্র

নিধারিত বিষয়টোর ওপরত নির্দিষ্ট ক্ষেত্রলৈ গৈ নিজস্বভাৱে সংগ্ৰহ কৰা তথ্যসামগ্ৰীৰ ওপৰত
নিৰ্ভৰ কৰি এই প্ৰতিবেদন প্ৰস্তুত কৰা হ'ল আৰু শিক্ষা বিভাগলৈ (দ্বাদশ কাকত - ৬০২) স্নাতক উপাধিৰ
বাবে আগবঢ়োৱা হ'ল।

শ্ৰী চিন্দ্ৰাম' তুকোবৰুৱা

অনুসন্ধানকাৰী ছাত্ৰ/ছাত্ৰীৰ চহী



কৃতজ্ঞতা পত্র

পেনপ্রথমে এই অধ্যয়নত মোক বিভিন্ন দিশত সহায় করা শ্রদ্ধার্ব ড'লীনা দশ্ম বাইদেউক আন্তরিক
সেবা জনাইছে। মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ আৰু মূৰব্বী অধ্যাপিকাৰ লগতে বিভাগীয় অধ্যাপিকাসকললৈ
মোৰ কৃতজ্ঞতা আগবঢ়াইছে। এই অধ্যয়নৰ নমুনাক্ষমী ছাত্র-ছাত্রীসকলে কৰা সহায়ৰ বাবে তেওঁলোকৰ
শলাগ লৈছো। এই প্রতিবেদন প্রস্তুত কৰোতে যিসকল ব্যক্তিয়ে সহায়-সহযোগিতা আগবঢ়ালে
তেখেতসকলকো মোৰ সশ্রদ্ধ প্ৰণিপাত জনালো।

শ্রী মিদ্রাম ত্যেষবৰুৱা

অনুসন্ধানকাৰী ছাত্র/ছাত্রীৰ চহী



ক্ষেত্রভিত্তিক অধ্যয়নৰ বিষয়সূচীসমূহ তলত উল্লেখ কৰা হ'ল-

ঃ বিষয়সূচীঃ

- ১। (i) প্রমাণ পত্র
(ii) প্রমাণ পত্র
- ২। ঘোষণা পত্র
- ৩। কৃতজ্ঞতা পত্র

ঃ প্রধান শিতানঃ

- ১। শিরোনাম
- ২। লক্ষ্য/উদ্দেশ্য
- ৩। অধ্যয়নৰ পটভূমি
- ৪। কার্য পদ্ধতি
 - ৪.১. পদ্ধতি
 - ৪.২. জনসংখ্যা আৰু নমুনা দল
 - ৪.৩. সংজুলি
- ৫। অধ্যয়নৰ ফলাফল
- ৬। সামৰণি
- ৭। মানচিত্ৰ
- ৮। চিত্ৰ সূচী

2. निवासात् :> निवासात् - ज़िल्हा - असेही अपि आँखांडे
आँखाव - परिवेश आँखांडे अवैध - यह
आँख - विद्युत वर्गाव ।

3. उद्धव :> निवासि विकारोव उद्धव अवैध उद्धव अवैध
एव ।

(क) निवासिपि आँखांडे अवैध लोकमानव -
निवासिव - यहि - आँखांडे - समाजे अवैध
आव ।

(ख) अवैध अवैध - लोकमानव निवासि आँखांडे
देखाव निवासि - धूम्रता - समाजे विषाव आव ।

६ अवैधानव -
पर्वताभिः - अवैधानव चर्वाक - एवं यह अवैध प्रकार
आँखाव क्षमावि निवासि विद्युत - उद्धव, विजिति क
देखाव, अवैध - अवैध - यहांनी अवैधावि
देखाव, अवैध - अवैध निवासि विद्युत विवाह थय,
निवासि अवैध विवाह - अवैध विवाह एव
Environment, or Environment अवैध
देखाव - यह 'Environment' वा Environment वा वाव
उद्धव है । यह अवैध उद्धव अवैध अवैध अवैध
वा - to Surround वा to encompass वा to
encircle अवैध है । यहांनी क्षमावि - विवाह,
विवाह - अवैधानव, समग्रित - याव उद्धव
उद्धवान्मस्युद्धे - अवैध अवैध अवैध अवैध क्षमा
विवाह - निवासि विद्युत विवाह थय,
आँख अवैध अवैध अवैध - अवैध अवैध अवैध अवैध
आँख - अवैध अवैध - अवैध अवैध - अवैध अवैध - अवैध अवैध
आँख - विवाह - अवैध अवैध अवैध - अवैध अवैध

Chitr.

ଆ.ମୀ- ରେନ୍‌ଫେଲ୍ ନାମ)- ଅଗ୍ରିଂ ଆକ୍ଷଣ ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍‌ଟ୍ରେନ୍
ସୀଏଚ୍ ଅଗ୍ରିଂ । କିନ୍ତୁ ଉନ୍ନାମୀ- ଶୁଣ୍ୟ ବାଦ କରୁଥିଲା
ଅଧିକ- ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ଆକ୍ଷଣ ଆକ୍ଷଣ- ଅଗ୍ରିଂ ବାଦ କରୁଥିଲା
ଆକ୍ଷଣ- ମରିପ୍ରକାର- ଉପାଯର ଦେଖି କୁଣ୍ଡ ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ଉପାଯ
ଉନ୍ନାମୀ- କୁଣ୍ଡର ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ଉପାଯ- ଉପାଯ-
ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ହାତ ଘାନ୍ତ ଅଛି । ଦ୍ୱାରା ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ହାତିଙ୍ଗର
ମିଳି ଏହି କିମ୍ବିତି । କଲ୍ୟାଣିତ ରାତାବଳ୍‌ପାତା- ହାତିଙ୍ଗର
ମିଳିମନବ ମରିପ୍ରକାର ଆକ୍ଷଣର ଆକ୍ଷଣ- ମିଳାନ୍‌ପାତା କିମ୍ବିତ
ହୁଏ ପୂର୍ବ ଉନ୍ନାମୀ କୁଣ୍ଡ; ଅଗ୍ରିଂ- ଆମି ମରିପ୍ରକାର
ଅମଧ୍ୟ ଶୁଣ୍ଡ- ଲୋକ ।

ଏଣେ ପରିବୃତ୍ତିର ମରିପ୍ରକାରିତାରୁ ନିର୍ଣ୍ଣାତ ବିକର୍ଷଣ
ଅଧିକାନବ ଆକ୍ଷଣ- ମିଳାନ୍‌ପାତା ଏହା ଏହି ଅଧିକାନବ
କୁଣ୍ଡରୁ ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- କିମ୍ବା- ମିଳିତିତି । କାହାରଙ୍କୁଠିଲା ଅଧିକାନବ
କୁଣ୍ଡରାକୁଣ୍ଡର ମରିପ୍ରକାର ଏହି ଉପାଯ ଆହାତନାମର ମିଳିତି
କୁଣ୍ଡ ହେଲା କେମ୍ବୁଜ ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍ ଆକ୍ଷଣ ମରିପ୍ରକାର ଆକ୍ଷଣ
କାହା ରୈବିତି ।

ତେଣୁ ଅଧିକାନବ ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- କିମ୍ବା- ମରିପ୍ରକାରିତି
କାହାରଙ୍କୁଠିଲା ଅଧିକାନବ କୁଣ୍ଡରାକୁଣ୍ଡର ଏହା । ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- କିମ୍ବା-
- କାହିଁକି ଅଗ୍ରିଂ ବାନ୍ଦା- ରଜ୍ବୋ କୁଣ୍ଡ ଏହି କାହିଁକିମାର
ଅଲିଟିକ କାହିଁମନବ କୁଣ୍ଡରେଜାଲୀକ- ଅଗ୍ରିଂର ଏହି
ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- ଆକ୍ଷଣ- କୁଣ୍ଡର- କିମ୍ବା- ଆକ୍ଷଣର
ବାନ୍ଦା- କାହିଁକାରିବିଚି ୬୭ ମୀ. କାହିଁକି ଧାରୀ ମରିପ୍ରକାର ବାନ୍ଦା
ବୀରୀ କୁଣ୍ଡର ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- ବାନ୍ଦା ମୁହଁ କିମ୍ବା ମରିପ୍ରକାର
କୁଣ୍ଡରୀ- ଆମି ଏ- କୁଣ୍ଡର କୁଣ୍ଡରୀ ଆମି ଏହି କୁଣ୍ଡ
ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- ଅଧିକାନବ ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍- ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍-
ଅଧିକାନବ ଏହି କୁଣ୍ଡର ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- କାହିଁକି ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍-
କୁଣ୍ଡର ଏହି କୁଣ୍ଡର ନିର୍ଦ୍ଦୟାତା- କାହିଁକି ପାନ୍‌ଜାନପାନ୍-
ମରିପ୍ରକାରିତି କାହାର କାହିଁକି ।

ଲାଲା

मही गोंडवा रेनारोडकर्को अधिकारीयता, गोंडवनव द्वारा
उनमा-भा-आम् ८९० दरबारी ।

४. प्राची : → राष्ट्रविभिन्न अधिकार लागवारे (अक्षयिता)
उत्तीर्ण अस्त्रिय लग्जिट वाहन लागवारे होइछ ।
अधिकारकालीनको लग्जिटालिए आवाहनमा
निर्विजेता उस्त्रिय लागवारे अधिकारक उमा आद्य लागवा
होइछ ।

५. अधिकारक लग्जिटालिए आवारे होइछ
द्वारा उनमा-भा- ८९० दरबारी (अव-स्वीकृ
निर्वाचन लाग्ने लग्जिट लागवारे होइछ
अधिकारकी लागवारे होइछ ।

६. अधिकारको अधिकार-लागवारे निज
प्रदूषक लागवारे अस्त्रिय लागवारे होइछ ।
अस्त्रियको लागवारे लग्जिट-लागवारे
अधिकार लागवारे होइछ ।

७. अधिकारक
-लागवारे → ये अधिकारक लागवारे लागवारे (मा
लग्जिटालिए शाहाराम्ब अधिकारक ज्ञानप्रदान
लग्जिटालिए लागवारे लागवारे लागवारे । छिङ्गालाल
लग्जिटालिए लागवारे लागवारे लागवारे । लग्जिटालिए लागवारे
लागवारे लागवारे । ८. अधिकारक लागवारे लागवारे लागवारे
अगुजारी लागवारे लागवारे ।

९. कुम्हि राष्ट्रव लग्जिटालिए लागवारे : →
लग्जिटालिए शाहाराम्ब अधिकारक ज्ञानप्रदान लागवारे
ए लागवारे राष्ट्रव लागवारे, लग्जिटालिए लागवारे
अधिकार लागवारे लागवारे लागवारे ।

सम्बन्धीय विनायकों उपर्युक्त देशों, चैकन, मिसिसिपी नदी
वर्षाया लग्न, यांत्र वालों एवं प्रौद्योगिक; गणवाहार
प्रौद्योगिक आदि प्रविशाल उद्द्विष्ट हैं। वर्षाया प्राचीन
ज्ञानप्रिय अल्पासार दृष्टिकोण से विद्या ज्ञानशास्त्र
अजीवी प्राचीन भाष्यकारी अति वर्णित आवृत्ताव
उपर्युक्त इस्तें विश्वने दृष्टि द्वारा अधिकारी आवृत्तिक
ज्ञान भाष्य अल्पासार व्याख्या दृष्टिकोण। यांत्र वालों
से भिन्न अति सुवर्ण वृत्तिशास्त्र दृष्टिकोण इस्ते।

2.2. धर्मदृष्टि अवधार- कवचाव : →

ज्ञानिकार्य- ज्ञानात्मेत् वर्षाया- ज्ञानकार्यकार्य
धर्मदृष्टि आवृष्टिनामाव- विष्णुआत्म वृष्टि वा वर्षाया-
प्रस्तुत क्षमा-। यांक दृष्टिकोण कृष्ण कार्यक वर्षाया
कार्य। आवृष्टि विष्णुआत्म ज्ञानके प्रवर्णनीया आवृष्टिमा-
सख्त छनाके दिति। यांक अल्पासार विद्या कर्तिकालात्म
वाह्यव भगव निष्ठनि दृष्टि वायु दृष्टिकोण।

3.0 सामीक्षा कवचाव : → वृष्टि वर्षाया- ज्ञानकार्यकार्य-
सामीक्षा उपर्युक्त अवधार, दृष्टि वायु ज्ञानका-
धर्मदृष्टि कवचाव- कवच लानी- आत्मिकान आवृ-
ष्टि दृष्टिकोण दृष्टिकोण। दृष्टि वायु दृष्टिकोण।
अवधारीवे धर्मदृष्टि लानी- विष्णुकार्यका दृष्टि
सिद्धिकोण लानी- विष्णुकार्य- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया-
दृष्टि। लानी अवृत्त, धर्मदृष्टि आवृष्टि- दृष्टि-
वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया-
वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया- वर्षाया-

(A.P.H.D)

वे आदि डिप्टी रेल्यू आर्क नामीड चला आय
काहुर डीरेव एवं उन्होंने अप्रृष्ट रहे।

२.४. मोर्त्य कवय्या :-

लक्ष्मिडत्तिरु मारुदासोऽप्यविव अविक आभ्यत
लोक अविद्यार्थ करुत्तु चरणस्ती वानुष्ठाने विनिष्ठित
आर्क अव) विषुद्धार्थ (लोकव निष्ठु विनिष्ठित वार्क
एवं, श्वाब उपविष्ट शंखभक्त अवृत्तिरु लक्ष्मिरु
विष्टु उवत्तमति अध्य- हृ.वार्ता- उपदानव्याख्यानप्रवास
आर्क छायानीरु शुद्ध शुकीरा प्रप्तावृप्राप्त, अविद्या
शुद्ध- विष्टु ।

२.५. मवित्तिरु अवागताव एवार्कत भजा- सवित्तिरु अवमाण्डः

लक्ष्मिदत्तिरु रामोदासोऽप्यविव वार्क वार्क
अविद्यार्थि उद्दानलेको लिङ्गे विविव अविद्यार्थ
अप्तुक्षीर्य वार्क उवित्तिरु अवृत्तिरु वार्क ग्राहा वार्ता ।
विष्टु अविद्यार्थि- अवृत्तिरु उवत्तमति वर्ता हृ.वार्ता-
विष्टु विविव अविद्यार्थि अविद्यार्थि विष्टु विविव
दिविप्रव- भजा अवमाण्डः वार्क श्वा आर्क छाय- छायित्तु
शुद्धवलन वार्क ।

२.६. शुद्ध- विष्टु :- लक्ष्मिदत्तिरु मारुदासोऽप्यविव

विष्टु लिंगो विवत्त- निष्ठिरु लाम्ब वार्क, लिंगो उच्चत
विविव लिंगो लिंगो वार्क, विष्टु लिंगो विविव लिंगो
विविव- लिंगो उच्चत- लिंगो वार्क लिंगो लिंगो विविव
प्रवार्क अवमाण्डः भजगता अविवत्त वार्क वार्क ।

କେତେ ଜୀବିକା ଏହାରୁ ଆଖିବିଲ ବ୍ୟାପ ଏ ଦିନାଳି,
ଅତିକାଳ କାହିଁ - ଉଚ୍ଚପ୍ରାଣୀ କ୍ଷମତାରେ ଯାଇ ଆଖିବାକୁ ।
କୌଣସି ଆଶ୍ରମରୁ ଉଚ୍ଚପ୍ରାଣୀ କ୍ଷମତାରେ ଯାଇ ଆଖିବା
ଆଜ୍ଞାକାରୀଙ୍କ ଆଜାଗ୍ରହଣରେ ଜ୍ଞାନଧରକଙ୍କର ଚିନିକିତ
ମେଧା ଆପାଦା ।

୧.୭. ବନ୍ଧୁର ବନ୍ଦୋଃ :

ଏହି ଅଥବା ଜ୍ଞାନଧରକଙ୍କର ଦ୍ୱାରା ଦ୍ୱାରା
ଜୀବିକା ବନ୍ଧୁର ବନ୍ଦୋଃ ମହି କରୁଥାଏ କହି ବନ୍ଦୋଃ -
ଆମ ଅତିକାଳ ଜୀବିକାରେ ବନ୍ଧୁର ଦ୍ୱାରା ଦ୍ୱାରା
ବନ୍ଦୋଃ ।

୧.୮. ଧରନୀ ଉଚ୍ଚପ୍ରାଣୀ ମାତ୍ରାରେ ଯାଇଥୁବା :

ଆମୀଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷିତିଦ୍ୱାରା ବନ୍ଦୋଃ ଉଚ୍ଚ ଦ୍ୱାରା
ଶୀଘ୍ର, ଶୀଘ୍ରକାଳ ବନ୍ଦୋଃ ଆମିର କୌଣସିର ଦ୍ୱାରା
କୁରୁଥାଏ ବନ୍ଦୋଃ ବନ୍ଦୋଃ ବନ୍ଦୋଃ କୁରୁଥାଏ କାହିଁବ
ଗାନ୍ଧିଙ୍କ ମହି ଦ୍ୱାରା ଅନୁମାନ କାହିଁ ଦ୍ୱାରା
ବନ୍ଦୋଃ, କୌଣସି - (ଜ୍ଞାନଧରକଙ୍କର ଉଚ୍ଚପ୍ରାଣୀ ମାତ୍ରାରେ
ବନ୍ଦୋଃ) କୈନିକିର କରୁଥାଏ ବନ୍ଦୋଃ ।

୧.୯. ମୋହନୀୟ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ଅଧ୍ୟକ୍ଷିତି ବନ୍ଦୋଃ :-
କୌଣସିର ଜ୍ଞାନଧରକଙ୍କର ମିଶ୍ରିତ ମୋହନୀୟ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ
କୃଷ୍ଣ ଉଚ୍ଚପ୍ରାଣୀମଧ୍ୟରୁ ମୁଦ୍ରି ବନ୍ଦୋଃ, ଅଭିଜିତ କେ ଜାରି
ଧରୁଥା ଆକିବାର ବନ୍ଦୋଃ । କୁରୁମହିଳା ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ - ୨୩୫
ବିଷ୍ଣୁମଧ୍ୟରୁ ଜଳାଶୀ ମହିଳା କରୁଥାଏ ବନ୍ଦୋଃ ।
ଏବଂପାଇମଧ୍ୟରୁ ଜଳାଶୀ ମହିଳା ବନ୍ଦୋଃ ଆମ ବିଷ୍ଣୁମଧ୍ୟ

ଅନିକା ମାୟୁର ଲାଭ ଲିଖିବାରେ ଦେବ ମାୟୁର ପାଦ୍ମସମ୍ମାନ
ଅର୍ଥ ।

(ii) ମହିଳାମାନୀଙ୍କ ମାୟୁରମୀତର ମହିଳାମାନ ମହିଳାମାନର
ଉପରିଚ୍ଛାବି ଧରିବାରେ ଧରିବାରେ

ମହିଳାମାନରେଣ୍ଟ ନିକାଳ କାହିଁ କାହାର ଆଶ-
ନିକାଳ- କାହିଁ ଜୀବାତ ନିକାଳରେ କାହାରେ ଧରିବା
କାହାର କାହାର- । ନିକାଳରେ କାହାରେ ମହିଳାମାନ ମହିଳାମାନ
ମହିଳାମାନରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ । ମହିଳାମାନୀଙ୍କ
ମାୟୁରମୀତର ମହିଳାମାନ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
ପରିଚିତ ମହିଳାମାନ ଆମ ଯୁଗରେ ନିକାଳରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ । ୨ୱେଳେମ୍ବୁଦ୍ଧ ମହିଳାମାନରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ ।

(iii) ଏବିଷ୍ଵ ମହିଳାମାନ- ମିଥିମ ମାନନ୍ଦ : - ମହିଳାମାନ-
କାହିଁ ମାୟୁରମୀତର ଆବଶ୍ୟକ ମହିଳାମାନରେ କାହାରେ
କାହାରେ- ନିକାଳରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
ମହିଳାମାନ ମିଥିମ ମାନନ କାହାରେ ମହିଳାମାନ ମହିଳାମାନ
ମାନନରେ କାହାରେ- କାହାରେ- ଆମ ଅଭିଭାବକରାନ ଆର୍ଥିକ
କାହାରେ କାହାରେ ।

(iv) କୃତ୍ସମାଧିନ ପକ୍ଷିତି : - କୋତୁମାନର ଆବଶ୍ୟକ
ଏବିତିରେ ଯୁଗରେ ଆମ କୋତୁମାନ ଏବିତିର ମାତ୍ର
ପଦକ୍ଷେପ କୋତୁମାନ କୋତୁମାନ । ଯୋଗ୍ୟ କାହାରେ କାହାରେ-
ମହିଳାମାନ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ ।

(v) ଯୁଗରେ ମାତ୍ରାଗତି ମାନନ୍ଦ : - ମହିଳାମାନରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

ପ୍ରାୟ) ମହାନାର୍ଥ କାଳୀର ଅଧିକାରୀ ଉପରେ ଉପରୁତ୍ତିତ ଦେଖା
ଆହଁର କାହିଁ ପ୍ରାୟ) ଗର୍ଭାଶୀଲ ଆମ୍ବାଚିନ୍ତା କରିବ
ଦେଖ କାହିଁ ହୋଇ । କିମ୍ବା ମହାନାର୍ଥଙ୍କ ଅଧିକାରୀ ଏବଂ
ମହିଳାବୀରୀ ଅବାର କିମ୍ବା ଏହାର କାହା ହୋଇ ।

(iv) ମହିଳାବ ପରିଷ୍କରା →

-ମାନୀଯ ନିଧାନମୁକ୍ତ ମହିଳାବ ପରିଷ୍କରା
ପ୍ରାମାଣିକ ଜ୍ଞାନ ଆଧାର କାହା ହୋଇ । -ନିଧାନମୁକ୍ତ ଅଧିକାରୀ
ଭ୍ରାତାବୀରୀ- -ନିଧାନମୁକ୍ତ ଲାଭେ -ନିଧାନମୁକ୍ତ କାହା ହୋଇ ।
ଶାନ୍ତିଭବତ- -ପ୍ରତିଷ୍ଠା- -ମାନୁଷୀକ ଜ୍ଞାନରେ -ମୁକ୍ତି କାହା
ହୋଇ - ଦୈତ୍ୟାଚିନ୍ତା ହୋଇ - ମୁଲାନିତାବୀରୀରେ ମହିଳାବ ପରିଷ୍କରାକୁ
କାହା ହୋଇ - ଦୈତ୍ୟାଚିନ୍ତା ।

ପରିଷ୍କରା ହା- ୫

ପରିଷ୍କରା ଗାନ୍ଧୀଗାଁତ ପରିଦ୍ରଶ୍ୟ ମେତେ ଜୀବିତ ବ୍ୟବସାର ଜୀବନକା

କାହାରେ	ମହିଳାବ ପରିଷ୍କରା ମୌତ ହେବିଥିବା କେବଳମୁକ୍ତି	ମହିଳାବ ମୌତ ହେବିଥିବା କେବଳମୁକ୍ତି
୧	ଭାବା ମାନୀବ ଟେମ	ଦେଶକାଳେ ମୁଖୀ/ ଟେମ
୨	ବନ୍ଦେନ ବାବୁଙ୍କୁ	ମାତ୍ର ବକ୍ଷଣକେବଳ
୩	ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବାବୁଙ୍କୁ	ମାକୀ- (ବୈଷଣ୍ଵିତ)
୪	ଅଧିକାରୀ ଡେପ୍ରାଇଟ୍ ମାନୁଷୀ-	ଟିଡ଼ି (ଶ୍ରୀମତୀ ଅନୁଷ୍ଠାନ)
		କିମ୍ବା ମାନୁଷୀ ବୋଇ
		୨୫

Chiru Hora

आजागति : → सामिटिंगमध्ये मारुद्धारींनवे त्रिवेद वरा
ऐक्यतिथिक अभियानाला लाला उपर्याप्त प्रश्न देणे
चांडगांवके निष्ठुराव नविग्रहण असरकीर्ति निवाचक
दिशांमध्ये एकांकु उत्तिरोक्ते एवं निष्ठुराव असुर 513-
अवध दृष्टिकोण नवाकृते प्रेक्षणीया अवृत्तगांवात
आठ आली दृष्टिअभियान आम इतरांनी निष्ठुराव-
दृष्टिअवधारणा- चांडगांवात दृष्टिनिष्ठुराव
सुर आम दृष्टिअभियान दृष्टिअवध भी असरावे दृष्टिअ-
वधारणाकृते नविग्रहण अवृत्तगांव दृष्टिअवधारणे ।

सामिटिंगमध्ये आमारींनवे असरावीने दृष्टिअ-
वधारणा अविष्यक अविष्यक वार्ता दृष्टि वार्ता अविष्यक
आम दृष्टिअवध आवृत्तिअवध दृष्टिअवधा । दृष्टि दृष्टिअवध
भी दृष्टिअवध असरावे नवाकृतकांवे शास्त्रज्ञ वेदाता,
असुरमहाराज आम दृष्टिअवध आवृत्तिअवधारणीया अविष्यक
अविष्यके दृष्टिअवधारणा- दृष्टिअवध अविष्यक उत्तिरोक्तवा-
दृष्टि- दृष्टिअवध दृष्टि- दृष्टिअवध- नविग्रहण असरावे अविष्यक
दृष्टिअवधारणा आवृत्तगांव नविग्रहण ।

Shri HOD

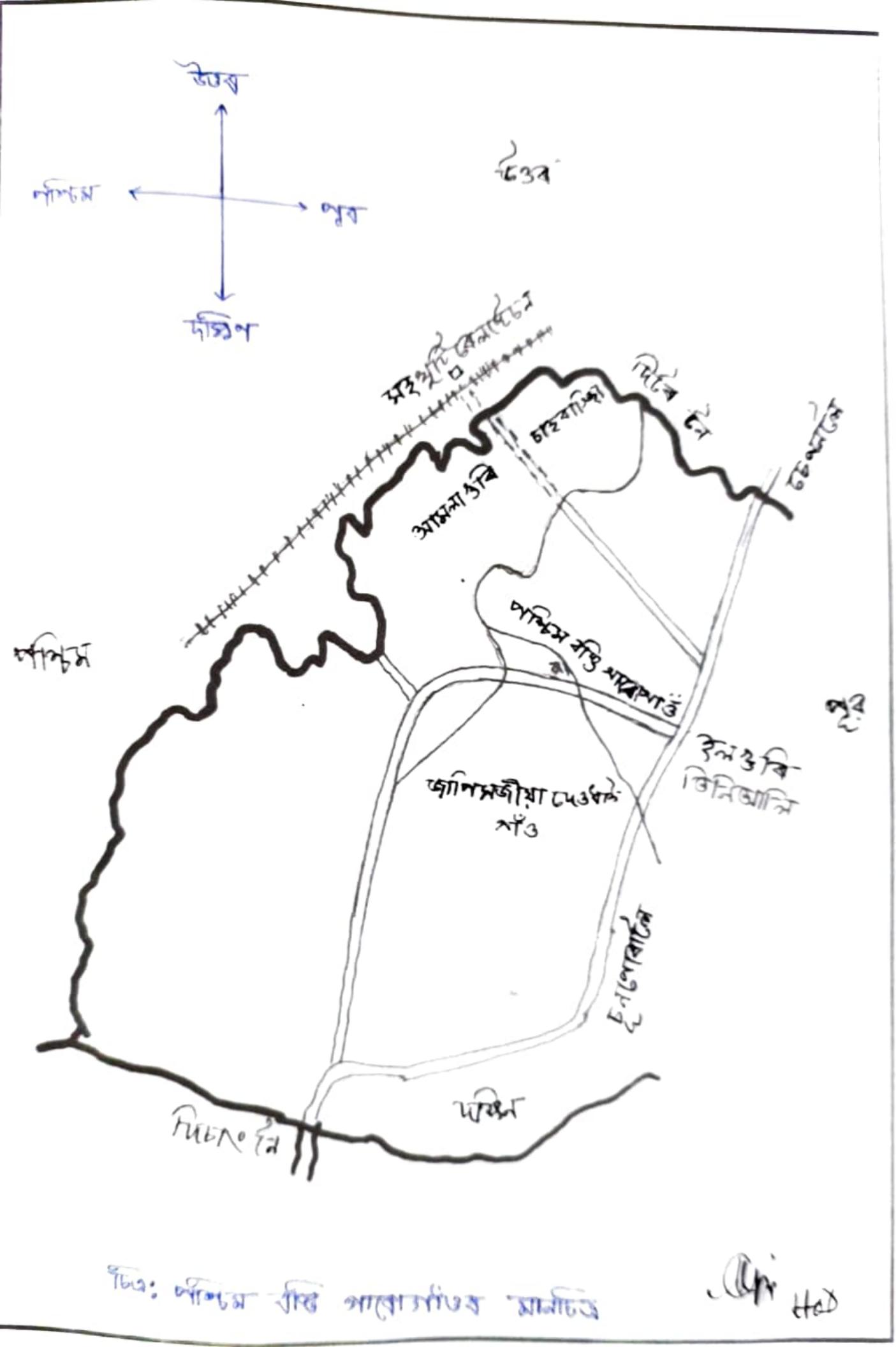
ମୂଲ୍ୟକ ପ୍ରତ୍ୱାପନୀ

୧। ଦତ୍ତ, ଡାଁ ପ୍ରକଳ୍ପ

: ଏଷିଆ ର୍ବିମ୍ବନ, ବୈଜ୍ଞାନିକ ପ୍ରକଳ୍ପ,
ମୋବାଇଲ୍, ଅମ୍ବାମ ପ୍ରକଳ୍ପ ୨୦୨୬

୨। ପ୍ରିୟମା ଦେଖିଛୁମା \Rightarrow , 'ଶିରସାଗର ହିନ୍ଦୁ ଗାୟତ୍ରିକଲାବ
'ଅମ୍ବାଜ ଜୀବନ', 'ପାଞ୍ଜନ୍ୟ'; ଅମ୍ବା, ଡାଁ ରବେଣ
ବାଣିଜିକ, ନିର୍ଦ୍ଦିତ ଗୋଦ୍ଧାରୀ, ଶିରସାଗର
ବାଣିଜିକ ସମ୍ମିତି, ଶିରସାଗର, ଅମ୍ବା ବାଲୁଙ୍ଗ
ବିଶ୍ୱକାର ଅନ୍ତା, ଟ ମ୍ର ଅମ୍ବା, ୨୦୨୭, ପୃ: ୧୨-
୮୯।

Apri
HOD



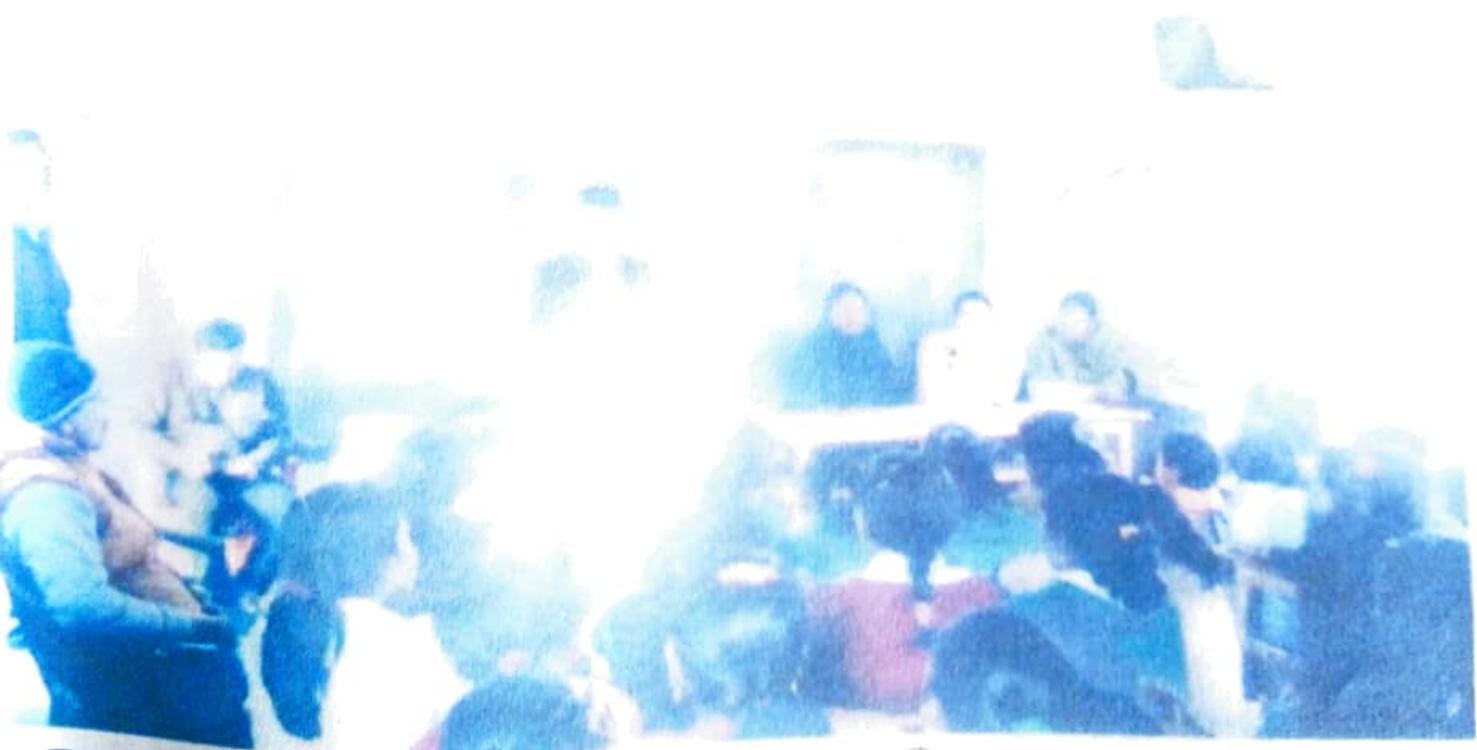


ପ୍ରଦୀପ କୋମଳାଲେଖ - ଶ୍ରୀଜନେଶ୍ ହରିହରାନ୍ତରୁକୁ ବ୍ୟାଧିରୁକୁ କମାଇଯାଇଲା





চিঃ: বিদ্যালয়ৰ নিষ্ঠক, কৰ্মচাৰীৰ সেতু অগ্ৰীম্যাগ্ৰে তানা চলুণ্ড



চিঃ: বিদ্যালয়ৰ জাৰি জ্ঞান অনূৰ পৰিপৰা শহিত বৰ্মা চৰ্ষ

চিনামগঞ্জ জিলাৰ পশ্চিমবঙ্গি গাৰোগাঁৰৰ পৰিবেশ সচেতনতা সম্পর্কে এক ক্ষেত্ৰভিত্তিক অধ্যয়ন

ঃপ্ৰশ্নাবলীঃ

১। নাম : শ্রীমতি বালান্তি ঘোষণা ।

২। ঠিকনা : মাঝিচৰা বাড়ি ।

৩। বয়স : ৪০ বছৰ ।

৪। জীবিকা : কেৱল ।

৫। শিক্ষাগত অর্হতা : মাঝু ।

৬। নিংশ : পুঁজী ।

৭। বিবাহিত/অবিবাহিত : বিবাহিত ।

৮। সন্তুন :

(ক) ল'বা- মাঝু ।

(খ) ছোৱালী- ২ দেশী ।

(গ) শিক্ষাগত অর্হতা- মাঝিচৰা- কেৱলৰ- কেৱলৰ ।

৯। আপোনালোকে ঘৰুৱা আৰ্জননা পৰিদ্বাৰ কৰিবৰ কাৰণে কি বাৰষ্ণা প্ৰহণ কৰে ?

উঁঁ : জ্বলাই- দিয়ে ।

১০। আপোনালোকে কৃষিকাৰ্যত বাৰহাৰ কৰিবলৈ অনা কীভোৱক ধৰাৰ প্ৰাণিক পেকেটসমূহ ক'ত পেলাই ?

উঁঁ : জ্বলাই- দিয়ে ।

১১। আপোনালোকৰ খোৱা পানীৰ উৎস কি ?

উঁঁ : টিজুবলো ।

১২। খোৱা পানী ঘোলা নে পৰিদ্বাৰ ? ইয়াৰ দুগন্ধ আছে নেকি ?

উঁঁ : মৰিষ্যাব- ।

১৩। খোৱা পানী কেনেদেৰে পৰিদ্বাৰ/পৰিশোধন কৰে ?

উঁঁ : মাৰিষ্যাবি- কাৰে ।

১৪। আপোনালোকৰ ঘৰুৱা আৰ্জন বাৰষ্ণা (চৰকাৰী খৰচত নিৰ্মিত নে নিজা খৰচত নিৰ্মিত) কেনেকুৱা ?

উঁঁ : তিজু- ত্রিমণ- বৰকাৰী ।

১৫। এই গৃষ্ঠিসমূহ পৰিবেশ সজাগতাৰ ওপৰত কিবা সভা-সমিতি অনুষ্ঠিত কৰা হৈছেন ?

উঁঁ : কুচি- ।

১৬। বক্স কাৰ্যত কি ইফন ব্যৱহাৰ কৰে ?

উঁঁ : মোবাইল- ব্যৱহাৰ- কাৰে ।

১৭। গৃষ্ঠিসমূহ স্থান্তি পৰীক্ষা কৰা কেন্দ্ৰ আছেন ?

উঁঁ : মাঝু ।

১৮। দৰত উপভোগ সামগ্ৰী যেনে ত্ৰিজু, টি.ডি., ইনজুটোৰ আদি সামগ্ৰী আছেন ?

উঁঁ : টি.ডি.- মোবাইল ।

১৯। আপোনালোকৰ ঘৰুৱা স্থানতে গৰু-ছান্দোলা, গাহৰি আদিৰ গৰাল আছেন ?

উঁঁ : মোবাইল ।

২০। আপোনালোকে ভীৰ-ভৃজুৰ মৰাশ্বৰোৰ পৃষ্ঠি ধৰানে পেলাই দিয়ে ?

উঁঁ : পুতি থাই ।

শ্ৰী ইন্দ্ৰী কুমাৰী রায়েন

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ଜିଲ୍ଲାର ପଞ୍ଚମବଣ୍ଡି ଗାବୋଗାଁର ପରିବେଶ ସଚେତନତା ସମ୍ପର୍କେ ଏକ କ୍ଷେତ୍ରଭିତ୍ତିକ ଅଧ୍ୟୟନ

ପ୍ରଶ୍ନାବଳୀ:

୧। ନାମ: ଶ୍ରୀ ବିପିନ୍ ଆଶ୍ଵତ୍ତା ।

୨। ଠିକନା: ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ।

୩। ସୟମ: ୩୮ - ବାହୁଦୂର - ଶକ୍ତିପଥ - ଇତ୍ତିକାରୀ ।

୪। ଜୀବିକା: ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠୀରେ ।

୫। ଶିକ୍ଷାଗତ ଅର୍ହତା: ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠୀରେ ।

୬। ଲିଙ୍ଗ: ପୁଣ୍ୟ ।

୭। ବିବାହିତ/ଅବିବାହିତ: ବିବାହିତ ।

୮। ମନ୍ତ୍ରାନ୍ତର: ।

(କ)ଲବ୍ଧି-

(ଘ) ଛୋଟାନୀ- ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ।

(ଗ) ଶିକ୍ଷାଗତ ଅର୍ହତା- ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠୀରେ ।

୯। ଆପୋନାଲୋକେ ଘରବା ଆର୍ଦ୍ଦନା ପରିଦ୍ଧାର କରିବାର କାରଣେ କି ବ୍ୟବସ୍ଥା ଗ୍ରହଣ କରେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ପ୍ରଧାନେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ।

୧୦। ଆପୋନାଲୋକେ କୃଷିକାର୍ଯ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରିବାରେ ଅନ୍ୟ କ୍ଷିତିକାର୍ଯ୍ୟ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରାପ୍ତିକ ପେକେଟସମ୍ମହ କଟି ପେଲାଯାଇଥାଏ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ପ୍ରଧାନେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ପାଠୀରେ ।

୧୧। ଆପୋନାଲୋକର ଖୋରା ପାନୀର ଉଦ୍ଦେଶ କି?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନାହିଁ ।

୧୨। ଖୋରା ପାନୀ ଘୋଲା ନେ ପରିଦ୍ଧାର ହିୟାର ଦୁର୍ଗର୍ଭ ଆହେ ନେକି?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ପାନିକାର୍ଯ୍ୟ- ବୁଲି- ଝୁଲି- ; ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ ପାଠୀରେ, ପ୍ରଧାନେ ପାଠୀରେ ।

୧୩। ଖୋରା ପାନୀ କେନେଦରେ ପରିଦ୍ଧାର/ପରିଶୋଧନ କରେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ପରିଶୋଧନ- ଅକ୍ଷ୍ୟ ।

୧୪। ଆପୋନାଲୋକର ସବର ଅନାମ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥା (ଚରକାରୀ ସବଚତ ନିର୍ମିତ ନେ ନିଜା ସବଚତ ନିର୍ମିତ) କେନେକୁବା?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନିଜୋ- ଲାଗନ୍ତେ ଚରକାରୀ ।

୧୫। ଏହି ଗାର୍ତ୍ତନାନ୍ତ ପରିବେଶ ସଜ୍ଜାଗତାର ଉପରତ କିବା ସଭା-ସମିତି ଅନୁଷ୍ଠାନିକ କରା ହେବେନି?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ଅନ୍ତର୍ଭୁତ ।

୧୬। ବସ୍ତନ କାର୍ଯ୍ୟରେ କି ଇନ୍ଦ୍ରନ ବ୍ୟବହାର କରେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ଯାହିଁ- ବ୍ୟବହାରୀ- କାର୍ଯ୍ୟ ।

୧୭। ଗାର୍ତ୍ତନାନ୍ତ ହାତ୍ତା ପରୀକ୍ଷା କରା କେନ୍ତେ ଆହେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନାହିଁ ।

୧୮। ସବର ଉପଭୋଗୀ ସାମଗ୍ରୀ ଯେଣେ କ୍ରିଜ, ଟି.ଭି, ଇନ୍ଡାରଟାର ଆଦି ସାମଗ୍ରୀ ଆହେନେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନାହିଁ ।

୧୯। ଆପୋନାଲୋକର ସବର ଲଗତେ ଗର୍ଜ-ଛାଗଲୀ, ଗାହବି ଆଦିର ଗର୍ବାଳ ଆହେନେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନାହିଁ ।

୨୦। ଆପୋନାଲୋକେ ଭୀବ-ଭୂତର ମରାଶବୋର ପୃତି ଧ୍ୟାନେ ପେଲାଇ ଦିଯେ?

ଉତ୍ତ୍ଵ: ନାହିଁ ।

ଶ୍ରୀ ବିପିନ୍ ଆଶ୍ଵତ୍ତା